

॥ उपनिषद्वाक्यतान्तरान् ॥ श्री गौरी ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगोकुलेशाय नमः ॥ सुं जे वान ८ शत पदो म् ॥ गोथे सहस्रवर्तनिर्गोथ
त्रैलुभं जा गद्विश्वास्तु सां गिसं भातोर देवां ऊं कां ० सी चो १२१२ ऊं म् आ २ को ई रो ॥ ओ ३४५ ॥ १ ॥
अग्निर्ज्योतिर्ज्योतीरग्नेम् ॥ अग्निर्ज्योतिर्ज्योतिराग्नी २ अग्निर्ज्योतिर्ज्योतो १२१२ ई ॥ ऊं आ २ ओ गो ॥
ओ ३४५ ॥ इंद्रोर्ज्योतिर्ज्योतीरिंद्रो म् ॥ ओ इंद्रोर्ज्योतिर्ज्योतिरा इंद्रा २ इंद्रोर्ज्योतिर्ज्योतो १२१२ ई ॥ ऊं म्
आ २ ओ इंद्रो ॥ ओ ३४५ ॥ सूर्योर्ज्योतिर्ज्योतिः सूर्यो म् ॥ सूर्योर्ज्योतिः ज्योतिः सूर्या २ ॥ सूर्योर्ज्योतिर्ज्यो
तो १२१२ ई ॥ ऊं म् आ २ सूर्यो ॥ ओ ३४५ ॥ ॥ ऊं म् ॥ उषोर्ज्योतिर्ज्योतीरुषो म् ॥ ऊं पारवार्योर्ज्योतीरुषो म् ॥
अभिर्देवां ० इतो १२१२ क्षो तो ॥ सो ३४५ ॥ अभिते मधुनो पयो म् ॥ ओ माथर्वोर्ज्योतीरुषो म् ॥ अशिश्नादेर्यु
र्व देवा यतो १२१२ ऊं आ २ वो मो ॥ सो ३४५ म् ॥ सेनः पवस्तु रा ० गवो म् ॥ ऊं ० शार आ २ नार यशम
वो तो ई रा ० राजो १ नो २ षो ३ ॥ १२१२ ऊं म् आ २ मो यो ॥ सु ३४५ ॥ १ ॥ इति सूततियां रुचो म् ॥ ऊं

(Faint handwritten Devanagari script at the bottom of the page)

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

१ पारिलोभार तो यो क पा २ सो माः शुक्रा २ गो वा १२१२ ऊं आ २ दो ई दो। इ ३ ३ ४ ५॥ हि न्यो नो हे त भि
हि तो म्॥ ॐ मा वा जं वा ज्य क्र मी १२१२ त्सी दं तो वा १२१२ नु वा १२१२ ऊं आ २ यो यो वा ३ ४ ५ क ॥ क्र
ध क्लो म सु व स्त यो म्। ॐ सं जो म् नो दो ई बी का वा ई प्र व स्त सू रि यो १२१२ ऊं आ २ द शो। ओ ३ ४ ५॥ २॥
पे व मो न स्य ते क वो म्॥ ॐ वा जिं त्त गो अ सृ क्ष ता २ अ वं तो न श्र वा १२१२ ऊं आ २ सू वा यो। ओ ३ ४ ५
ओ छो को रां म धु श्रु तो म्। ॐ मा सृ य वा रे अ व्या या २ अ वा व रां त धो १२१२ ऊं आ २ तो यो। ओ ३ ४ ५॥
अ छो स मु द्र मिं द वो म्॥ ॐ मा स्त गा वो न धे न वा २ अ ग्म नृ त स्य यो १२१२ ऊं २ म्। ना ई मो। ओ ३ ४ ५॥
॥ ॥ इति बहिष्पवमानं ॥ ॥ अग्नौ यो हि वीत यो म्। ॐ गा र्गो नो हां २ व्या दां तं यां २ यि नो ई हो ता
सा २ त्सी ई वा १२१२ ऊं आ २ हो ई वो। ओ ३ ४ ५॥ अग्नौ यो हि वीत यो म्। ॐ गा र्गो नो हव्य दां ता या २
यि नि हो ता स त्सी वा १२१२ ऊं आ २ हो ई वो। ओ ३ ४ ५॥ तं वा स मि द्धि रं मि रो म्॥ ॐ घा र्ते न व द्वा

मा सीर बृहद्वोचो वावो १२१२ कुं म आरु यो ॥ ओ ३४५ ॥ सनः एधु भवो यि यो म् ॥ ओ मा लो दे व वि
 वो सा सीर बृहद्वोचो वावो १२१२ कुं म आरु यो ॥ ओ ३४५ ॥ १ ॥ ओ नो मित्रो वरुणो म् ॥ ओ धा तै र्ग य
 ति सु क्षा मा र तं ध्वो रा जा ० सी स १२१२ कुं आरु क्रो तो ॥ ओ ३४५ ॥ ओ नो मित्रो वरुणो म् ॥ ओ धा तै र्ग य
 ति सु क्षा ता रं म ध्वो रा जा ० सी स १२१२ कुं आरु क्रो तो ॥ ओ ३४५ ॥ उरु रा ० सो न मो व धो म् ॥ ओ मा क्रो द
 क्ष स्य रा जा था र द्रो धि षो मिः शु चो १२१२ कुं आरु क्रो तो ॥ ओ ३४५ ॥ गृ णो ना ज म द ग्ति नो म् ॥ ओ जो ना
 व त स्य सी रा ता र पो त ० सो म नृ तो १२१२ कुं म आरु वो र्दो ३४५ ॥ २ ॥ ओ या हि सु पु मा हि तो म् ॥ ओ मा र
 यिं द्रा र सो रं पि बा ओ र्दो मा मे दां बा १ ह १२ः सो दा १२१२ कुं आरु मो मो ॥ ओ ३४५ ॥ ओ या हि सु पु मा हि तो
 म् ॥ ओ मा यिं द्र सो रं पि बा आ यि मा र मे दे व र्दिः स दा १२१२ कुं आरु मो मो ॥ ओ ३४५ ॥ ओ त्वा नृ स्य यु जा
 ह रो म् ॥ ओ वा ह ता मिं द्रा के शा ई ना र उ पे व ह्वा लि ना १२१२ कुं आरु शो पो ॥ ओ ३४५ ॥ ब्र ह्मो ण स्त्वा

युतो वयोम् ॥ ॐ सोमपाभिंद्रसोमाजिनाः सुतो वंतो हवो १२१२ ऊं आरमो हो ॥ ओ ३४५ ॥ ३ ॥ इंद्रो
 ग्नी आगतं सुतोम् ॥ ॐ गायिभिर्न भो वरेणीयो १२१२ मस्येपांत १२१२ जिह्वा १२ ऊं आरपो ईतो ॥ ओ ३४५ ॥
 इंद्रो ग्नी आगतं सुतोम् ॥ ॐ गायिभिर्न भो वरेणायां मस्येपांत धीयो १२१२ ऊं आरपो ईतो ॥ ओ ३४५ ॥
 इंद्रो ग्नी जरितुः सचोम् ॥ ॐ याज्ञो जिगति चेतना २ अयो पातमीमो १२१२ ऊं आरस्ते तो ॥ ओ ३४५ ॥
 इंद्रमग्निं कवि छदोम् ॥ ॐ जाज्ञस्य ज्येति यो वा णारयितो सोमस्येह तो १२१२ ऊं आरपो तो ॥ ओ ३४५ ॥
 ॥ ॥ इत्याज्यानि ॥ ॥ उच्चो ते जातमंधसोम् ॥ ॐ दायि वि सङ्गि यो दादा २ उग्रं शर्मा म हो १२१२ ऊं आर
 भो वो ॥ ओ ३४५ ॥ सेन इंद्रो यय ज्यवोम् ॥ ॐ वारुणा य मरु द्रया २ वरिवो वित्यरा १२१२ ऊं आरस्त्रो वो ॥
 ओ ३४५ ॥ एना विश्वानि अर्य ॐम् ॥ ॐ द्युभानि मानुषाणां स्यार २ सिषो संतो वनो १२१२ ऊं आरमो
 हो ॥ ओ ३४५ ॥ १ ॥ ॥ आमही यवोम् ॥ ॥ ऊंम् ॥ ॥ ॥ उच्चो तो उयि जातमंधसाः ॥ ॐ दिवा ई सो १२१२

मिया २३ द्दोई ॥ उग्रैः शोर्मा ॥ मेहा २३ ईश्रवो उवा ३ ॥ स्तोषे ३४ ५ ॥ सैन ३ ॥ इन्द्राय ज्यवाई ॥ ॐ व
 स्तु १ ॥ या २ ॥ मेस्तु २३ क्रियाः ॥ वरिवो वा इत् ॥ पेरा २३ ईश्रवो उवा ३ ॥ स्तोषे ३४ ५ ॥ एनो वा ३ ईश्रवो निअर्य आ ॥
 ॐ शुभो नो १५ मा २ ॥ नुवा २३ एम ॥ सिषो संतोः ॥ वना २३ म हो उवा ३ ॥ स्तोषे ३४ ५ ॥ २ ॥ शैरवं ॥ ॥ ऊम ॥ पुनो नः
 सोमा ३ धोरा २३ ४ या ॥ ॐ मापो व सानो अर्ष स्यार ल धां यो नि मृत स्य सार ईद सो ॐ हो ३ उवा ॥ उत्सो दे वो हिरा २३
 हो ॐ हो ३ उवा ॥ एष्यो लो ३ हो वा हो ५ ईडा ॥ उत्सो दे वो हा ३ यिरण्या २३ ४ याः १ ॥ ॐ मत्सो दे वो हिरण्य यो ड
 हो न उ धर्दि वि यं म धू २ प्रियो मो हो ३ उवा ॥ प्रल ० स ध स्तु मा २३ हो ॐ हो ३ उवा ॥ स दो २३ हो वा हो ५ ईडा ॥ दो
 प्रलो स ध स्तु ३ मो सा २३ ४ दौत् ॥ ॐ प्राल ० स ध स्तु मा सद दा पृ ष्यं ध रुणं वो जिया २ र्ष सो ॐ हो ३ उवा ॥ नृ
 मि र्दो तो वि चा २३ हो ॐ हो ३ उवा ॥ क्ष ए ओ हो वा हो ५ ईडा ॥ ३ ॥ यो धा ज यं ॥ ॥ पुनो ३१ नो ३ः सो म धो
 रा २३ ४ या ॥ ॐ मापो ३ व सार न आ ३४ ५ ॥ या २३ ४ सो ॥ ओ राल धा यो नि मृता २ स्य सा ३४ ५ ई ॥ दा २३ ४ सी ॥

उत्सा २:। दो ई वो हि रा २४५ एया २३४ या:। उत्सो ३१ दे ३ वो हि र एया २३४ या:। ओ मूत्सो ३ दो ई वो २ हि
 रा २४५ एया २३४ या:। उहो न उ धो दि वि या २ म्म ध ३४५ प्री २३४ यो म्। प्र ला २ म्। सो धा २ ल मा २४५।
 सो २३४ दा त्। प्र ला ३१० सो ३ ध ल मा सो २३४ दा त्। ओ प्रा ला ३० स धा २ ल मा ३४५ सो २३४ दा त्॥ ओ
 पा छि यां ध रु णं वा २ जि या ३४५ यो २३४ सी। न्मा २ ई:। धो तो २ वि चो ३४५। क्षो २३४ एा:॥ ४॥ अ५३ नं॥
 ॥ ॥ प्रा त् १॥ ओ इ वा परि को शां नि षी ३ दा न्मो ई: पु नो नो ३ अ भि वा जं म र्षा। अ श्वं न त्वा वा जि नं मा
 र्ज या २३ ता:। अ छो ब हो ई र शो ना मो २४३ ई नो ३ यां प ता ६५६ ई। स्तु वो। ओ यु धा: प व ते दा ई व
 ई ३ दूर शां स्ति हो वृ ज ना र क्ष मा णा:। पि ता दे वा नो ज नि ता सुं दा २३ क्षा:। वि षं नो दो ई वो ३ धं स
 णा ३४३: पा ३ र्था ५ इ व्या ६५६:॥ ओ षा:। ओ वि प्रा: पु र ए ता ज ना ३ नो म्म भू ई रा उ शो ना को
 वि ये न। स चि द्वि वे द नि हि ता र्थ दा २३ सो म्। अ पो ई चि यो गु हि यं ना ३४३ मो ३ गो ५ ना ६५६ म्॥ ५॥ ॥

॥ इति माध्यंदिनः पवमानः ॥ ॥ इत्थं तं ॥ ॥ ओम्भित्वा शूरनौ नुमो वा ॥ ओम्भित्वा शूरनौ नुमो वा ॥ ओम्भित्वा शूरनौ नुमो वा ॥
 शानमस्य जगतः सुवा २३ ईशाम् ॥ ओम्भित्वा शूरनौ नुमो वा ॥ ओम्भित्वा शूरनौ नुमो वा ॥ ओम्भित्वा शूरनौ नुमो वा ॥
 ईशो वा ॥ ओम्भित्वा शूरनौ नुमो वा ॥ ओम्भित्वा शूरनौ नुमो वा ॥ ओम्भित्वा शूरनौ नुमो वा ॥
 ॥ २३४ तौ ओम्भित्वा शूरनौ नुमो वा ॥ ओम्भित्वा शूरनौ नुमो वा ॥ ओम्भित्वा शूरनौ नुमो वा ॥
 गव्यं तस्त्वा २३ हा ३ वा मा २३४ हा ॥ ओम्भित्वा शूरनौ नुमो वा ॥ ओम्भित्वा शूरनौ नुमो वा ॥
 आभुवा तं ॥ ओम्भित्वा शूरनौ नुमो वा ॥ ओम्भित्वा शूरनौ नुमो वा ॥ ओम्भित्वा शूरनौ नुमो वा ॥
 हाई ॥ का ५ स्त्वा सत्यो ३ मा ३ दानाम् ॥ ओम्भित्वा शूरनौ नुमो वा ॥ ओम्भित्वा शूरनौ नुमो वा ॥
 ऊम्मा २ वा २ सो ३५ हाई ॥ ओम्भित्वा शूरनौ नुमो वा ॥ ओम्भित्वा शूरनौ नुमो वा ॥
 शता २३ भवा ॥ सियौ हो ३ ऊम्मा २ ता २ यो ३५ हाई ॥ २ ॥ नौ धसं ॥ ता २३४ वौ दस्म मृतीषा हा म् ॥

४

ॐ वसोर्मदानां ३ मां धा ३ सा ३ आ ३ भी वात्सं न स्व स रा इ ह धे ना ३ ४ वाः । आ ३ ३ इंद्रा म् । गो इ भिर्न न वो ३ ३
 वा । मा ३ ३ ४ हे ॥ आ ३ ३ ४ यिंद्रं गो भिर्न न वा म हा ई । ॐ मिंद्रं गो भा ई ना ३ वा मा ३ हा ई धू ३ ३ क्षा ३ ३ स दा नुं
 त वि षा इ भा इ रा वा ३ ३ ४ नां म् । गो ३ ३ ३ ई री म् । न पु रु त्ता मो ३ ३ ४ वा । जा ३ ३ ४ सा म् । गो ३ ३ ४ ई रिं न पु रु त्ता
 जा सा म् । ॐ गिरिं न पु रु त्ता मो जा ३ ३ सां क्ष ३ ३ मां तं वा ज ३ ३ शो ति ना ३ ३ सा ह स्ता ३ ३ ४ ई पा म् । मो क्ष ३ ३ ३
 क्ष । गो मं त मो ३ ३ ४ वा । मा ३ ३ ४ हे ॥ ३ ॥ का ले यं ॥ त रो भा ३ ३ इ वो वि द ह स्त म् । ॐ मिंद्रं ३ ३ स बो ध तुं त या ३ ३
 इ व ह जा यो ३ ३ ता ३ ३ ४ : सु त सो मे अ ध्वा ३ ३ रा ई । कु वा ई भ रौ वा ३ ३ ४ ३ वा । न का ३ ३ ४ ५ रि णा ३ ३ हो ५ ई । डा । ॐ ३ ३ ४
 कु वे भा ३ ३ इ नं का रि णा म् । ॐ ३ ३ कु वा ई भ रां नं का रि णा ३ ३ न यं उ ध्रा ३ ३ वा ३ ३ ४ रं ते न स्ति रा म् ३ ३ राः । म
 दा ई पु रौ वा ३ ३ ४ ३ ॐ ३ ३ ४ वा । प्र मा ३ ३ ४ ५ ध सा हो ५ ई । डा ॥ म दे ह ३ ३ रा ई प्र मं ध सा । ॐ म् दा ई पु रौ
 इ प्र मं ध सा ३ ३ य ॐ ३ ३ ह वा ३ ३ ३ ३ ४ वा मा नो य पु न्वा ३ ३ ता ई । दो ता ज रौ वा ३ ३ ४ ३ ॐ ३ ३ ४ वा । ने तु ३ ३ ४ ५

क्रि० या० हो० ई० डा० ॥ ४ ॥ इति दृष्टानि॥ स्वादिष्टं यामदिष्टं योम्॥ ॐ पा व स्व सौ म धा रा या रं ईं शो य
 पा त वा १२१२ युं आ र स्ते तो॥ ओ ३३४५॥ रक्षो हा विश्व च र्ब णो म्॥ ॐ मा भि यो नि म यो हा ता रं ई॥ शो य
 स ध स्त मा १२१२ युं आ र सो दो॥ ओ ३३४५॥ वरि वो धा त मो भु वो म्॥ ॐ मा० हि षो वृ त्र हं ता मा रः प बि
 रा धो म धो १२१२ युं आ र नो न्मो॥ ओ ३३४५॥ संहितं॥ स्वादिष्टं यामदा रं ईं युं यो॥ ॐ पे वा र स्तो रं सौ म
 धा र रा या॥ ओ २३ ईं शो॥ या र पा त वा रं हौ उ वा रं स्त रं ३४ तौ॥ रक्षो हा विश्व चार र्ब णो ईः॥ ॐ मा भार रं ई
 यो रं ३ नी म यो रं हो ता रं ई॥ शो रं ३ णो॥ सा र धा स्त मा रं हौ उ वा रं सो रं ३४ दो त्॥ वरि वो धा त मो रं भु वोः॥ ॐ
 म० हा रं ३ षो रं ३ वा रं हा रं तो माः॥ पा रं ३ ब०॥ रा र धो मा रं हौ उ वा रं यो रं ३४ नो म्॥ २॥ स प्र म्॥ ॥ प व
 स्वा रं म धु मं तो रं ३४ माः॥ ॐ मिं शो य सो मा रं क तु वा इ ता रं मो रं मा रं ३४ दोः॥ महो ई॥ द्यु क्षा ता रं मो रं
 मा रं ३४ दो ई॥ ३॥ पौ ष्ठ लं॥ ॥ ईं ईं मा रं ३ लो लु ता रं ३४ मा रं ई॥ ॐ वृ षो णं यो त् हा रं रा रं ३४ योः॥

ॐ ह्रीं ३ जीता । स ई २ दो २३४५ वा ६५६ । सुवर्चिदा २३४५ ॥ ४ ॥ त्रया वा ३ ॥ पुरो ३ १ जी ३ ती वो अ
धो ३ स ए हियो ॥ ॐ सुता यामा दा यिले वा २ ए हियां २ अ पश्चानां ३ श्री ३ ४ २३४ ना । ऐ हा २ ए हि
या २ सर्वा यो दा ई र्घो ३ जी ३ का ३ ४५ यो ६ । हो ई ॥ सर्वा ३ १ यो ३ दी र्घ जि का ३ य मे हियो ॥ ॐ यो धारया
पा व क्र या २ ए हियो २ परि प्र स्यां दा ३ ता ३ ई । स् २३४ ताः । ऐ हा २ ए हिया २ इंदु र श्वो ना ३ का ३ त्वा ३ ४५
यो ६ । हो ई ॥ इंदु ३ १ रा ३ श्वो न कृ त्वा ३ य ए हियो ॥ ॐ तां दू रो ष म भी न रा २ ए हिया २ सो मं बि श्वा ची ३ या ३
धो २३४ या । ऐ हा २ ए हिया २ य ज्ञा य सां त् ३ वा ३ दा ३ ४५ यो ६ । हो ई ॥ ५ ॥ आंधी ग व म् ॥ ॥ पुरो जि ती
वो १ धा साः । ॐ सुता य मा दा २३ यो ऊ म्मा २ १ २ लै वे अ पश्चानं ५ श्रिष्टि नो २३४५ ॥ सर्वा ३ उ वा । यो
दी र्घो जी क्ति यो मो २३ हो वा हो ५ इ । डा ॥ सर्वा यो दी र्घ जा १ यि का य म् । ॐ यो धारया पा २३ वा ऊ म्मा २ १ २
क्र या परि प्र स्यं दा तै सु ता १ आ विं दा ३ उ वा । आ २ यो ना २३ का त्वा यो ऊ ३ हो वा हो ५ इ । डा । इंदु र

श्वोनका १२ त्वायोः ॥ ॐ तं ह रौ व मा २३ भी डे म्मा २१२ ने रः सो मं वि श्वो चि यो नै धियो १ यो ज्ञो ३ उ वो ॥ या २
 सं त् २३ द्वा द्यो ३५३ हो वो हो ५ इ डा ॥ ६ ॥ अ भ्यो वा ॥ ॐ प्रियो णि प व ता यि च नो हो यि ता २ नो मा नि य द्वा
 अधि या यि षु वा द्वा ता २ यि ॥ ओ सूर्य स्य ब ह तो ब ह नो धी २३ रो थो ३ वा इ ष्वो च म रु हा २३ द्वा यि चो ३
 सा ५ ए ६५६ ॥ ऋ तो वा ॥ ॐ स्य जि ह्वा प व ता यि म धु प्रो या २ वं त्ता प ति धि यो अ स्या अ दा भो या २ ॥ द
 धा ति पु त्रः पि त्रो रं पी चो या २३ म् नो मा ३ ता र्ति य म धो यि रो ३३ चो नो ३ दा ५ यि वा ६५६ ॥ अ वो वा ॥ ॐ
 द्यु ता नः क ल श ५ अ चि क्रो दा २ थं नृ सि र्ये मा णः को श आ हि र ण्यो या २ यि ॥ अ भी ऋ त स्य दो ह ना अ
 नू षा ता २३ ओ धी ३ त्रा यि यो ष्ट उ षो सो २३ वा यि रो ३ जा ५ सा ६५६ यि ॥ ७ ॥ यं ज्ञो ५ यं ज्ञो ३ वो ३ र्मा
 यो यि ॥ ॐ मा यि रो इ रा चो ३ दो क्षा ३ सो यि पं प्री २ व य म मृ तं जा ता २३ वा डे म्मा यि ॥ दो ३ सो म् प्रो यं
 मि त्रा ५ सु त्रा २ सिं वो उ ॥ वा २३ ४५ ॥ प्रो यो म् ॥ ॐ मा यि त्रा ५ सु ३ रा ५ सी ३ षो म् जे न पा २ त ५ सं

हिना या २३ मां कुं म्मायि। स्मां ३ यूः। दोरो मह व्यादा २ तया उ। वा २३४५॥ दोरो। ॐ मा हा व्यो दी ३
 दा तो ३ यायि भुव द्वा जे २ खे नि ता भू २३ वां कुं म्मायि। वा ३ द्वायि। उ त त्रा ता त नू २ ना उ॥ वा ३४५॥
 दोरो। ॐ मह व्या दा ता ये भुव द्वा जा ३ इ भू ३ वा द्वा ३ जे खे वा र वि ता भू ३ वां कुं म्मायि। वा ३ द्वायि। उ
 त त्रा ता त नू २ ना उ। ना ३४५॥ ॥ इत्यग्निष्टोमे औजात्रः समाप्तः॥ ॥ संवत् १७६९ शुभ कृत सं
 वत्सरे भाद्रपद कृष्ण प्रातिपदा सौम्य वासरे तदिनीदं पुस्तकं काशीक्षेत्रे बाळ ज्योतिषोपनामै न
 लिखितं स्वार्थं परार्थं च॥ ॥ यादृशं पुस्तकं दृष्ट्वा तादृशं लिखितं मया॥ यदि शुद्धमशुद्धं वा मम
 दोषो न विद्यते॥ ॥ ७२॥ ॥ ७३॥

त्रिपुल्लहिष्य वमानं। पंचदशाब्दा नि। पंचदशो मा ध्यंदिनः पंचमानः। सप्तदशानिष्टछानि। सप्तदश आ
 र्धवर्षे एकविंशं त्रैलोक्ये निहो मः॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ ताक्ष्यसामोस्ताक्ष्य ऋषिः त्रिष्टु. इन्द्रो दे. दीक्षणीयामि होविनि ॥ ॥
 ॥ त्र्यम्बु ॥ वाजिना ३४५ म्। देवजूता २३४ म्। सहोवांनंता। रूता ३० रंथानां म्॥ अरिष्टना २३४
 यिमीम्। एतना ३४३ जमोश्च स्वस्त्यायि। ताक्ष्यमिहा ३४३ हू ३ वा ५ यिमा ६५६ ॥ १॥ ईय
 इया ३ होयि॥ त्र्यम्बु वाजिना ३ देवजूतम् ४ ई ४ यो ईया। हा २३४ यि। सहोवांनंता। रूता ३। रं
 थानां म्। ईय इया ३ होयि। अरिष्टा ३ नोई। मी ३ एतानां जमोश्च म् ई ४ यो ईया। हा २३४ ५ ई।
 स्वस्त्यायि। ताक्ष्यमिहा ३४३ हू ३ वा ५ यिमा ६५६ ॥ २॥ ॥ प्रायणीये प्रस्तोता ॥ प्रवज्जार्ग
 वत चंगायेत् ॥ प्रवज्जार्गवस्य ऋगु ऋषिः जगती. सोमो दे. प्रायणीयामि होवि ॥ ॥ प्रो अयोसा
 यित्। इन्द्रिंश। स्या २ निष्कृताम्। सर्वोसंख्यः न प्रेमिना। ता २ यि संजिराम्। मय ईवा। सुव
 तिभायिः। सा २ मर्षतायि। सोम. केला। रौ शतया। मा २ नो पथा ३ ॥ ३॥ उवा २३ ४५ ॥ ३॥ प्रवो

धियो। मं द्रा यु बो। वा २ यि पे न्यु वाः। पे न स्यु वाः। सं व र ए णा यि। षू २ ने ऋ मूः। हरिं क्री डा। ते मे भ्य
 नू। वा २ ते स्तु भाः। ओ णि धे ना। वेः पे य सा यि त्। आ २ शि भ्र य ३ रो उ। वा २ ३ ४ ५ ॥ ४ ॥ ओ नः सो
 मा। सं ये तं पा यि। षू २ षी मि षा म्। इ दौ पे वा। स्व पे व मा। ना २ दु र्मि ण। यो नो दौ हा। ते त्रि र हा न्।
 आ २ से श्नु वा ई। क्षु म ह्यो जा। वे न्मे धु मा त्। सू २ वी रि या ३ मो उ। वा २ ३ ४ ५ ॥ ३ ॥ ॥ आ ति थ्या यां प्र
 स्तो ता प्र धा न या ग का ले गाय त्रौ रा न सं सा म प्रे षं व इ ति तृ चं गा ये त्॥ अ स्य सा म्नः उ रा ना ऋ षिः
 गाय त्री अग्नि र्दे० ॥ ॥ प्रे षं वोः। अ ता २ ३ ई थी म्। स्तो वै मि त्रं म्। इ वे प्रा २ ३ या म्। अग्ना ई रा ३
 था ३ म्। नो वा २ ३ हा ३ ४ ३ ई। दो २ ३ ४ यो ६ हो यि। के वि मि वो। प्र रा २ सा २ ३ यां म्। यो दे वो सः। इ ति
 द्वा २ ३ ई ता। नि मा तौ ३ षू वा २ ३ हा ३ ४ ३ ई। दो २ ३ ४ यो ६ हो ई। तु वे य वो ई। षू दो श्च २ ३ वाः।
 न्दे २ पा हि श्च णु हो गा २ ३ यि राः। रे क्षा तौ ३ कौ ३ म्। दु ता २ ३ हा ३ ४ ३ ई। सो २ ३ ४ नो ६ हो ई ॥ ४ ॥ ॥

॥ सुब्रह्मण्योमिति ब्रह्मश्रीः साम। संपात छंदः। आदित्य ऋषिः इंद्रो देवः। ब्रह्मचवा इदमग्रे सुब्र
ह्मचास्तां इति विधाय कब्राह्मणं ॥ सुब्रह्मण्यो ३ म् २ सुब्रह्मण्यो ३ मिंद्राग छे हरि वै ओ ग छे मे धा ति
थे मे ष वेष णे श्वस्य मे ने। गौरा व स्कंदि न्ह ह ल्यो ये जा र। कौशि के ब्राह्मण गौत मं ब्रुवा ण। अहे सु
त्यो मा ग छे। म घ व ने वा ब्रह्म ण ओ ग छे तो ग छे तो ग छे त ॥ ॥ प्रस्तोता अध्वर्युणा प्रस्तोतः सामा
निगायेत्युक्ते पूर्ववत् गार्हपत्यस्य पश्चादुपविशति ॥ यदा महावीर मन्त्रं तदा हा वां जेति शार्ङ्ग
त्रिर्गायेत् ॥ शार्ङ्गस्य जगती छंदः कक्षीवान् ऋषिः छर्मो देवः ॥ ॥ हा वां जा। तो २३४ ई। वियं ज ते
स म ज ते। ऐहियो। ऐहियो ३४ हा उ क्रा त् म्। रो २३४ ई। हंति म धु वा सि यं ज ते। ऐहियो। ऐहियो ३४
हा उ। सा इ धोः उ २३४ त्। श्वा से य त यं त मु क्ष णं। ऐहियो ऐहियो ३४। हा हा उ। हा ई रो। एयो २३४
पा वाः पशु मं सु गं भूते। ऐहियो। ऐहियो ३४। हा उ हो ५ ई। डा ॥ ५॥ ॥ रजत उपधीयमाने ॥ नि

२

युत्वा न्वाय वा गहीति शुक्रं सकृज्जायेत् ॥ अस्य साम्नः शुक्रं गायत्री छंदः घर्मो दे ॥ हो उ ३।
 शुक्रं म् ३। शुक्रं ० शुक्रं म् १। शुक्रं ० शुक्रं म् १। शुक्रं ० शुक्रं म् १। शुक्रं ० शुक्रं म् १। शुक्रं ० शुक्रं म् १। नि युत्वा न्वाया ३।
 वा गा १। ही २। अ य ० शुक्रो आ ३। यो मा १। ई ता २। ई। गंतां सि सुन्वा ३। तो ग १। हा २। म् ३। हो उ ३। शुक्रं म् ३।
 शुक्रं ० शुक्रं म् १। शुक्रं ० शुक्रं म् १। शुक्रं ० शुक्रं म् १॥ २॥ शुक्रं म् १। श्र २। क्रो २। ३४। औ हो वा। ए। शुक्रं म् १॥ ३।
 ॥ ६॥ ॥ अध्वर्यु एण महा वीर परिधि परिधाने क्रियमाणे घर्म तन्यौ सकृज्जायेत् ॥ एतयोः सप्त
 ऋषयः ब्रह्मी छंदः घर्मो दे ॥ ॥ हो उ ३। प्र सो म दे वा वा ई ता १। या २। ई। हो उ ३। सिंधु र्न पिप्ये ३। ओ
 ण १। सा २। हो उ ३। अ ० शौः पय सो म दि रो ना ३। जो ग १। वी २। हो उ ३। अ छौ को रा म्मा ३। ध्रु १।
 ता २। म् ३। हो उ हो ३। उ ३। हो ३। वा। घर्मः प्रवृत्तस्तन्यौ समान्ते ध्ये व ध्ये सुवा २। ३। ४। ५। ॥ ७॥ औ हो ३।
 वा ३। ई ३। या ३। ओ ३। हो ३। प्र सो म दे वा वा ई ता १। या २। ई। हो उ ३। सिंधु र्न पिप्ये ३। ओ २। ण २। ३४। सो

ओं शोः पयसो मदिरः । नेजा रे गे २३४ बीः । ओं लोको राम । म धू श्व २३४ । तो म् । ओं हो रे वो ३ । ई ३
 यो ३ । ओ ई ही रे । ओ ई ही रे ३ । ओ रे यि । हो २३४ । ओं हो वा । धर्मः प्रवृत्तः स्तन्यो समो नरो महो सुवा रे
 ३४५ः ॥ ८ ॥ सुवर्णरुक्म उपधीयमाने चंद्रं स कृजायेत् ॥ चंद्रः प्रजापतिर्गायत्रा धर्मो ॥ हो उ ३ ।
 चंद्रे म् ३ । चंद्रं चंद्रं म् ३ । चंद्रं चंद्रं म् ३ । चंद्रं चंद्रं म् ३ । चंद्रं चंद्रं म् ३ । चंद्रं चंद्रं म् ३ । ओं हो गौ रा ३ । मो न्यो १ ता ३ । नो मत्व
 पुरा ३ । पो ई चो १ यार म् । इत्थो चंद्रं मा ३ सो गे १ हो २३४ । हो उ ३ चंद्रं म् ३ । चंद्रं चंद्रं म् ३ । चंद्रं चंद्रं म् ३ । चं
 द्रं चंद्रं म् ३ । चंद्रं म् ३ । चो रे द्रा २३४ ओं हो वा । ए । चंद्रं म् ॥ ३ ॥ ९ ॥ रुचितो धर्म इत्युक्ते प्रस्तोता ॥ उद्यं लो
 कानरोचय इति धर्मो रोचनं सकृदा ॥ ऋषिरिंद्रः । वसिष्ठो वा । सूर्य इत्यन्ये । अनुष्टु-धर्मो देव ॥ ॥
 उद्यं लोको नरोचयः । हो ई । इमां लोकानरोचयः । हो ई । प्रजो भूतमा रोचयः । हो ई । विश्वं भूतमा
 रोचयः । हो रे हो २३४ ओं हो वा । धर्मो ज्योती ३४५ः ॥ १० ॥ ॥ अध्वर्युं गंगे हीत्युक्ता यदा वत्स

आतुंउ पसृजति तदा प्रसोता स्वादिष्ठयेति धेनु साम स कृजायेत् ॥ ॥ प्रजापतिऋ. तुरश्रवा
इत्यन्ये। गायत्री. चर्मोदे. ॥ ^{३२}होउ ^{३२}२^{३२}होउ। ^{३२}ओहो ^{३२}३। ^{३२}ओहो ^{३२}३। ^{३२}ओहो ^{३२}३। ^{३२}इयाहोउ। ^{३२}२। ^{३२}इयाहोउ। ^{३२}ओहो१
^{३२}३। ^{३२}ओहो१२। ^{३२}या२३४। ^{३२}ओहोवा। ^{३२}उबंत् इडा२३। ^{३२}होउ२^{३२}होउ। ^{३२}ओहो२। ^{३२}ओहो३। ^{३२}इयाहोउ२। ^{३२}इयाहो
उ। ^{३२}ओहो१३। ^{३२}स्वादिष्ठया। ^{३२}मादिष्ठया। ^{३२}होउ२^{३२}होउ। ^{३२}ओहो२। ^{३२}ओहो३। ^{३२}इयाहोउ। ^{३२}इयाहोउ। ^{३२}ओहो१३। ^{३२}२।
^{३२}ओहो१२। ^{३२}या२३४। ^{३२}ओहोवा। ^{३२}जेनत्। ^{३२}इडा२३। ^{३२}होउ२^{३२}होउ२। ^{३२}ओहो२। ^{३२}ओहो३। ^{३२}इयाहोउ२। ^{३२}ओहो१३। ^{३२}३।
^{३२}पवस्वसो। ^{३२}माधोरया। ^{३२}होउ२। ^{३२}होउ। ^{३२}ओहो२। ^{३२}ओहो३। ^{३२}इयाहोउ। ^{३२}२। ^{३२}इयाहोउ। ^{३२}ओहो१३। ^{३२}२। ^{३२}ओहो१२
^{३२}या२३४। ^{३२}ओहोवा। ^{३२}वेधत्। ^{३२}इडा२३। ^{३२}होउ२^{३२}होउ। ^{३२}ओहो२। ^{३२}ओहो३। ^{३२}इयाहोउ२। ^{३२}इयाहोउ। ^{३२}ओहो१३। ^{३२}३॥
^{३२}इन्द्रायपा। ^{३२}तोवाईसुताः। ^{३२}होउ२^{३२}होउ। ^{३२}ओहो२। ^{३२}ओहो३। ^{३२}इयाहोउ२। ^{३२}इयाहोउ। ^{३२}ओहो१३। ^{३२}२। ^{३२}ओहो
^{३२}१२। ^{३२}या२३४। ^{३२}ओहोवा। ^{३२}वेधत्। ^{३२}इडा२३। ^{३२}होउ२^{३२}होउ। ^{३२}ओहो२। ^{३२}ओहो३। ^{३२}इयाहोउ२। ^{३२}इयाहोउ। ^{३२}ओहो१३। ^{३२}३।

इन्द्रो येषां तौ वा ई सु ताः। हो उ २। हो उ। ओ हा। २। ओ हो ई। इया हो उ २। इया हो उ। ओ हो ई। २। ओ
 हो १२ या २३४ ओ हो वा। ए ३ धे नु॥ ११॥ ॥ अग्ने युं क्ष्वेति पय संज्ञकं साम सकृद्वा येत्। पयः साम्नः
 प्रजापति ऋ० गायत्री० धर्मो दे०॥ इ यो ३। इया। इ यो २ इया। इ यो ३ इया। अग्ने युं क्ष्वो ही ३ ये त वा। अग्ने
 युं क्ष्वो ही ये त वा। अग्ने युं क्ष्वो ही ३ ये त वा। इ यो ३। इया। इ यो २ इया। इ यो ३। इया। अश्वो सो दा ई वा ३
 सो ध वाः। अश्वो सो दा ई। वा सो ध वाः। अश्वो सो दा ई य वा ३ सो ध वाः। इ यो ३ इया। इ यो २ इया। इ यो ३
 इया। अरं व हां ती ३ ओ श वाः। अरं व हा। ती षा श वाः। अरं व हां ती ३ ओ श वाः। इ यो ३ इया। इ यो २
 इया। इ यो ३ इया ३ उ वा ३। आ २। ३। हे स्। ए ३ पे या २ ३ ४ पेः॥ १२॥ ॥ प्रस्तोता। अग्ने युं क्ष्वेति पयः संज्ञ
 कं साम सकृद्वा येत्॥ ॥ प्रजापति ऋ० तुरश्रवा इत्यन्ये। गाय० धर्मो दे०॥ इ यो ३ इया॥ प्रस्तोता आ
 से च न काले आत्वा विशंति तिसकृद्वा० असित ऋके। गाय० धर्मो०॥ ओ वा विशंति दध्वाः। से मु

इमि वै सिंधे वः । समुद्रमि वै सिंधा २३ वाः । न त्वा मिंद्रातिरिच्यते । न त्वा मा २३ इंद्रा । तिरिच्य
 २३ ता २३४ ३ ई । ओ २३४ ५ ई । डा ॥ ॥ प्रस्तोताश फाभ्यां परिग्रहणकाले प्रथम्ययस्येति वसि
 ष्टशफौ सकृज्जा । वसिष्ठ ऋ-त्रिष्टु-द्यमोदे ॥ होउ प्राथाः । चयस्य सप्रथः । च नारमा ३ उवा ३ ।
 ई हा । ३॥ ऊवा ई । ओ २३४ वा । ई २३४ डा । ओनुष्टुभस्य हविषः । ह वा २ ई । या ३ उवा ३ । ई हा । ३ । ऊवा ई । ओ २
 ३४ वा । ई २३४ डा । धा तुर्द्युतानां त्सवितुः । च वा २ ई । छा ३ उवा ३ । ई हा । ३ । ऊवा ई । ओ २३४ वा । ई २३४ डा ।
 रथं त र मा ज भो रा वे सारथि । छा ३ उवा ३ । ई हा । ३ । ऊवा ई । ओ २३४ वा । ई २३४ डा । ए ३ । द्युत् ॥ १४ ॥ प्राथाः ।
 चयस्य सप्रथः । च नारमा ३१ उवा २३ । ई डा ३ । हो ई । हो । वा हा ३१ उवा २३ । ई २३४ हा । ओनुष्टुभस्य
 हविषः । ह वा २ ई । या ३१ उवा २३ । ई डा ३ । हो ई । हो । वा हा ३१ उवा २३ । ई २३४ हा । धा तुर्द्युतानां त्स
 वितुः । च वा २ ई । छा ३१ उवा २३ । ई डा ३ । हो ई । हो । वा हा ३१ उवा २३ । ई २३४ हा । रथं त र मा ज भो रा ।

वे सा र धि। ^{३३}वा ३१ उ वा २३। ^{३३}ई ३। हो धि। हो। ^{३३}वा ३१ उ वा २३। ^{३३}ई २३४ हो। ए ३ धु तो २३३ ४ पेः॥ ॥
 ॥ प्र स्तो तो महा बीरो द्नी य माने इं द्रं न र इ ति, ब्र त प क्षौ स कृ जा०। त्रि षु० ऋ षिः प्र जा प तिः। घ र्मो दे०॥ ॥
^{३३}हो उ। ३। ^{३३}हं ५ हं ५ हं ५। ^{३३}हो उ। ३। इं द्रं न रो। ^{३३}नै ३ मे धि। ^{३३}ता ह वं ता ई। ^{३३}य त्पारि याः। ^{३३}यु ने ज। ^{३३}ता ई धि य
 स्ताः। ^{३३}श्रौ न षा। ^{३३}ता ३ श्रौ वा स श्रौ को मा ई। ^{३३}ओ गौ म ता ई। ^{३३}ब्र जै भ। ^{३३}जा तु वं नोः। ^{३३}हो उ ३। ^{३३}हं ५ हं ५ हं ५। ३
^{३३}हो उ २ हा उ। ^{३३}वा ३। ^{३३}ई २३४ पे॥ ॥ ^{३३}हो उ ३। ^{३३}इ हा। ^{३३}हं ५ हं ५ हं ५। ^{३३}हो उ ३। ^{३३}इं द्रं न रो। ^{३३}नै ३ मे धि। ^{३३}ता ह वं ता ई।
^{३३}य त्पारि याः। ^{३३}यु ने ज। ^{३३}ता ई धि य स्ताः। ^{३३}श्रौ न षा। ^{३३}ता ३ श्रौ वा स श्रौ को मा ई। ^{३३}ओ गौ म ता ई। ^{३३}ब्र जै भ।
^{३३}जा तु वं नोः। ^{३३}हो उ ३। ^{३३}इ हा। ^{३३}हं ५ हं ५ हं ५। ^{३३}हो उ ३। ^{३३}हो उ २ हा उ। ^{३३}वा ३। ^{३३}ई २३४ पे॥ ॥ अ च रा जा नं स कृ जा०। प
 र्व सौ हि ण पु रो डा रा च रु णे त्रि षु ष्छं दः। घ र्मो दे०॥ ॥ प्र स्तो ता घ र्मे कु ते इ मा उ वा मि त्या श्वि नो ब्र
 ते स कृ जा०। बृ ह ती छं दः। अ श्वि ना वृ षी। घ र्मो दे०॥ ^{३३}हो उ ३। ^{३३}इ हा। ^{३३}हं ५ हं ५ हं ५। ^{३३}हो उ ३। ^{३३}इ मा उ वा दि वि ष्य

५

ओ हो उ । उस्त्रा ह वं ते अश्विना । ओ हो उ । अयं वा म ह्वे वसे रा ची वस्तु ओ हो उ । विशं विशं हि ग
 छ था ओ हो उ । हो इ हा ३ । इ हो इ हा ३ । २ । हो इ हा ३ । इ हो इ हा । ३४ । ओ हो वा । ई ५५ । हो ही ही ही हि ॥ ॥
 हो इ हा । इ हो इ हा ३ । इ मा उ वां दि वि ष या हो हो उ । उस्त्रा ह वं ते अश्विना हो हो उ । अयं वा म ह्वे वसे
 रा ची वस्तु हो हो उ । विशं विशं हि ग छ था हो हो उ । हो इ हा । इ हो इ हा । हो इ हा । इ हो इ हा ॥ ३४ । ओ
 हो वा । ई २३॥ ॥ ऊम् । ३ । हो ३ । ह ५ । ३ । ओ हो । ३ । ओ हो ई । २ । ओ हो ई । इन्द्रं नरो । ने ३ । मेधि । तो ह वं
 तो ई । २॥ त्रिः ॥ वयो बृहत् । ३ । विश्वा ष्ये वि धर्मो । ३ । यत्पारियाः । युने जातो । ई धि यस्ताः । ३ । स
 त्यमो जः । ३ । रजः सुवः । ३ । श्रु रौ नृषा । तो ३ । श्रु वा । सश्वे का मो ई । ३ । भद्रं सुधा २ । भद्रं सुधे । ज
 म् । ३ । इष म् । ३ । र्ज म् । ३ । ओ गो म ता ई । ३ । जे भा । जो तु वन्ताः । ३ । बृहद्य राः । दिवि धे ३ । ह स । २ । दि
 वि द धे ३ । हो उ वा । वां गी उ स्त्रो व ह्वे ह्वे २३४५ः ॥ ॥ प्रस्तो ता दि ता य रौ हि ण पुरो ऽशो ह्वे माने

रिया ३ई। सो ८ स्वरिया ३ई। स ८ स्वरिया ५ए। णे दिद्युता ३ई। एणे दिद्युता ३ई। णे दा ५ई द्युता ३।
वा॥ ॥ प्रसोता परिबिलै घर्मे इष्टा होत्री यन्त्रि गौ येत्। गायत्री छंदः अक्षरसंख्यः आपो देवता
घर्मो पयुक्ता सर्वे निधने ब्रूयुः॥ ॥ इष्टा होत्राः। ओ स्तु २३४ ता इंद्र वधा। तो २४वा २३४ राई।
ओ छा २ वो भू। थ मो ३ जा थ सा ६५६ ए ३। उदधि निर्धायः॥ ॥ प्रसोता अभिप्रव इति रये तंत च
गायेत्॥ ऋषि रयेतः प्रजापति ऋषिः बृहती छंदः इन्द्रो दे॥ ॥ अभिप्रवः सुरा। ध सा २३४ औ हो वा।
ओ इंद्र मर्च। यथा विदा २३४ ई। ओ ६ हा। यो जरितेभ्यः। मो घा २३ वा। पु स्त २। वा २३४ स्तुः। स हे स्त्रे
णा ई वा ३ रा। ऊ म्मा ई। क्षो २ ता २३४ औ हो वा। वा २३४ स्तुः। स हे स्त्रे णे वशि। क्ष ता ३४ औ हो वा। सा
ह स्त्रे णे। व रा ई क्ष ता २३४ धि। ओ ६ हा। रा तो नी कै वा। शो जा २३ धि गो। ति धा २। ए २३४ यो। हंति वजा
णी ३ दा। ऊ मा ई। श्र २ पा २३४ औ हो वा। वा २३४ स्तुः। हंति वजा धि गो। ति धा २। ए २३४ यो। हंति वजा

ॐ णि दोशुं वा २३४ यि। ओं ६ हो। गिरेरि व प्र रो सा २३ ओ। स्ये पा २ यि। न्या २३४ ई रो यि। दे नो णि मू
 रू ३ भो। कुं म्मा यि। जो २ सा २३४ ओ हो वा। वा २३४ स्त॥ ॥ प्र स्तो ता वाम दे व्यं तृचं गाये त॥ क या न श्रि
 त्र आ णु व त इति वाम दे व ऋ षिः गा य त्री वि श्वे दे वा दे व ता। वाम दे व्यं॥ कां ५ यो। न श्र्या ३ यि त्री ३
 आ भु वा त उ। ती स दो व धः सो र वा। ओ हो हो यि। क या २३ रा चो यि। वृ यो हो ३। कुं मा २ वो २ तो ३५
 हो यि। कां ५ स्त्वा। स त्यो ३ मा ३ दा नो। मा। हि षो मा त्स दं धे। सा। ओ हो हो यि। दृ ण २३ चि दा। रु जो हो ३।
 कुं मा २ वो २ सो ३५ हो यि। आ ५ भी। जु णाः ३। सो ३ र वी नां म्। ओ। वी तो जे त्वा णा म्। ओ ३ हो हो यि।
 रा ता २३ भ वा। सि यो हो ३। कुं म्मा २ तो २ यो ३५ हो यि॥ ॥ प्र स्तो ताग्नि प्र ण य न का ले अग्नि म नु ब्र ज न
 ग्नि र्म र्धा इत्यग्ने ब्र तं त्रि गां ये त्। ऋ वि रग्निः गा य अग्नि र्दे॥ हो उ २ हो उ। भो जो ओ वा २। ओ
 ग्नि र्म र्धा दी ३ वा। कां १ क र त्। प तिः पृ थि वी ३ या आ १ या २ म्। अ पां रं तां सी ३ जो इ न्या १ ती २३।

[illegible]

विरा
स्वरा
सम्प्रा

र

रथे मत्वा व यं ० रौ १२१२ हुं मा २। जो यो। ओ २३४ ५ ६ ७ ८ ९ ॥ ॥ उदयनीये प्र स्तोता। प्रायणीया
व छालां प्रविश्य पश्चाद्गार्हपत्य स्तोत्रं पविश्य प्रधानयागयागे ॥ अचोदस इति उ द्वे जार्ग वं निर्गा
येत् ॥ १८ गुर्गुषिः जगती छंदः सोमोदे ॥ ॥ अचो दो सो २३। नौ धने वा २३। तू दं द वाः। प्र स्वा नो सो २३।
वृहद् दो इ वे २३। पू ह र याः। वि चि दो श्वा २३। नौ इषो यौ २३। ओ रौ त याः। अर्यो नोः सा २३। तू स
नो इषा २३। तू नो धियो २१३। वा २३४ ५ ॥ ॥ आभि क्षा या ग काले आग्नी धी य स्थ पश्चादु पविश्य
यज्ञा यथा इति स्वारं पयो निधनं त चंगा ॥ वा यु क्रु ० अनु षु ० इन्द्रो दे ॥ ॥ यो ज्ञो यो ज्ञो। यथा अ
पूर्विया। ओ ३ हो। हा २ इ या। ओ ३ हो। मा ध व न्य त्र ह त्या या ओ ३ हो। हा २ इ या। ओ ३ हो। ता तृ धि
वी म प्रा थ या ओ ३ हो। हा २ इ या। ओ ३ हो। ता द स्त र्वा उ तो दि वा मौ ३ हो। हा २ इ या। ओ ३ हो वा हा २
उ। वा ३। ए ३ प या २३४ ५ ॥ ॥ ता नो सो नो य हो अजा य ता ओ ३ हो। हा २ इ या। ओ ३ हो। ता द र्क

उज हस्फुता इ रौ ३ हो। हा रे इ या औ ३ हो। ता द्वि श्व मभि भूर सा औ ३ हो। हा रे इ या औ ३ हो। आ
जा तं यच्च जंतु वा मौ ३ हो। हा रे इ या औ ३ हो वा हो उ वा ३। ए ३ पे या रे ३ ४ पेः॥ ॥ ओ मा ओ मा सुप
क मै र या औ ३ हो। हा रे इ या औ ३ हो। ओ सूर्य ० रौ ह यो दि वा औ ३ हो। हा रे इ या औ ३ हो। धोर्म न
सा मन्त प ता सुव लि भा इ रौ ३ हो। हा रे इ या औ ३ हो। जु षं गि बं ण से व हा दौ ३ हो। हा रे इ या औ ३
हो वा हो उ वा ३। ए ३ पे या रे ३ ४ पेः॥ ॥ प्र स्तो ता आ न्न बं ध्य या ग का ले क इ दं वे दे ति वा शं सा म त्रि ग
ये त् ॥ ॥ उ द य नी ये प्र स्तो ता प्र धा न या ग का ले गा यं ति त्वे त्पु ह ० रा यं सा म त्व चे गा ये त्। ऋ षि रु ह ०
रा यः अनु षु ष ० इ द्रो दे ॥ ॥ गा यं ति त्वा गा य त्रि ण ओ। अ र्चं त्य क म क २ ३ इ णाः। ब्र ह्मा ण स्त्वा २
हो १ ३। रा त क्रा २ ३ ता उ। उ ह ० रा मि व या १ इ मी ३ रौ। उ ह ० रा २ ३ ४ मी। वा या ३ उ वा ३ उ ष। मा ५ २
इ रौ ३ ५ हो ई। १। ये स्ता मोः सो न्या स हो ओ। म र्थ स्य क र्त्त २ ३ वा म्। त दिं रा रे हो १ ३। अ र्थं चै ता २ ३

तो इ। यथेन वृद्धि रा१ इजा३ ता३। यथेना २३४ वृ। ह्यो इरो ३ उवा ३ उष। जोऽ२ तो ३५ होइ। २॥
पुं द्यो हि के शि ना हरी ओ। वषणा कक्षिया २३ प्रा। अथाना २ हो १ई। इंद्र सोमा २३ पाः। गिरामु
पश्रुता १ इं चा ३ रा। गिराम् २३४ पा। श्रुता ३ उवा ३ उष। चोऽ२ रो ३५ होइ। ३॥ ॥ छ ॥ ॥

॥ ॥ अहो बो हो २३४ वाः। ३। अग्नि ष पती। प्रति दहं ती। अग्नि० हो। तो रं मा ३ न्ये ३ दा स्वं तं। अहा० ती॥
वसोः। स्रु नु० सह सो जा ३ ता ३ वै द सं। अहा० हती॥ विप्राम्। न जा ३ ता ३ वै द सं मा। अहा० ती॥
यतु। ध्व या ३ स्रु ३ बध्वरः। अहा० ती॥ देवो। देवा ३ ची ३ यो कृ पो। अहा० ती॥ घृ तो। स्य वि भ्रा षि
मनु श्र ३ का ३ शो चि षः। अहा० ती॥ ओ जे। काना ३ स्था ३ सर्पि षः। अहो बो हो २३४ वाः। ३। अग्नि
ष पती। प्रति दहं ती॥ ६५६ इ। ३। विश्व० सम जि जं द हा २३४ वाः। ३। विश्व० नित्यादि॥ ॥ छ ॥ ॥